पाठ 18
दानी पेड़

आइए सीखें –

● कहानी को हाव–भाव से पढ़ना, सुनना और अर्थग्रहण करना। ● पेड़ों की उपयोगिता और महत्व। ● उदारता, परोपकार, प्रेम और त्याग की भावना।

एक पेड़ था। वह एक छोटे लड़के को बहुत प्यार करता था। लड़का प्रतिदिन पेड़ के पास आता। वह फूलों की माला बनाता, उसके तने पर चढ़ता, उसकी शाखाओं से झूलता और उसके फल खाता। फिर वह पेड़ के साथ लुका–छुपी खेलता। जब वह थक जाता, तो पेड़ की छाँव में सो जाता। लड़का पेड़ से बहुत प्यार करता था। पेड़ बहुत खुश था।

समय बीतता गया। लड़का बड़ा हो गया। वह अब पेड़ पर खेलने नहीं आता। पेड़ अकेले दु:खी होता। जब लड़का एक दिन आया तो पेड़ बहुत खुश हुआ। लड़के ने पेड़ से कहा–''मुझे पैसों की जरूरत है। मैं बहुत–सी चीजें खरीदना चाहता हूँ। क्या तुम मुझे कुछ पैसे दे सकते हो ?''

शिक्षण संकेत – ● पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना जागृत करें। ● परोपकार की भावना का विकास करें।

पेड़ ने कहा – ''पैसे तो मेरे पास हैं नहीं। तुम मेरे फल तोड़ लो और उन्हें बाजार में बेच दो। इससे पैसे मिल जाएँगे।''

लड़का सब फल तोड़ कर ले गया। पेड़ अभी भी खुश था।

कई साल के बाद वह युवक फिर पेड़ के पास आया। ''मेरी शादी होने वाली है मुझे एक घर चाहिए। क्या तुम मुझे एक घर दे सकते हो ?'' उसने पेड़ से कहा।

पेड़ ने कहा–''घर तो मेरे पास है नहीं। लेकिन तुम मेरी शाखाएँ काट कर उनसे घर बना लो।'' युवक पेड़ की सब शाखें काट कर ले गया। पेड़ का बस तना बचा रह गया। पेड़ अभी भी खुश था।

बहुत साल बीत गए। लड़का अधेड़ उम्र का आदमी बन गया था। एक दिन पेड़ के पास आया और बोला– ''मुझे मछली पकड़ने के लिए एक नाव चाहिए। क्या तुम मुझे एक नाव दे सकते हो ?''

पेड़ ने कहा–''नाव तो मेरे पास है नहीं। मेरा तना बचा है। उसे काट कर नाव बना लो।'' आदमी ने पेड़ का तना काट कर नाव बनाई। पेड़ अब भी खुश था।

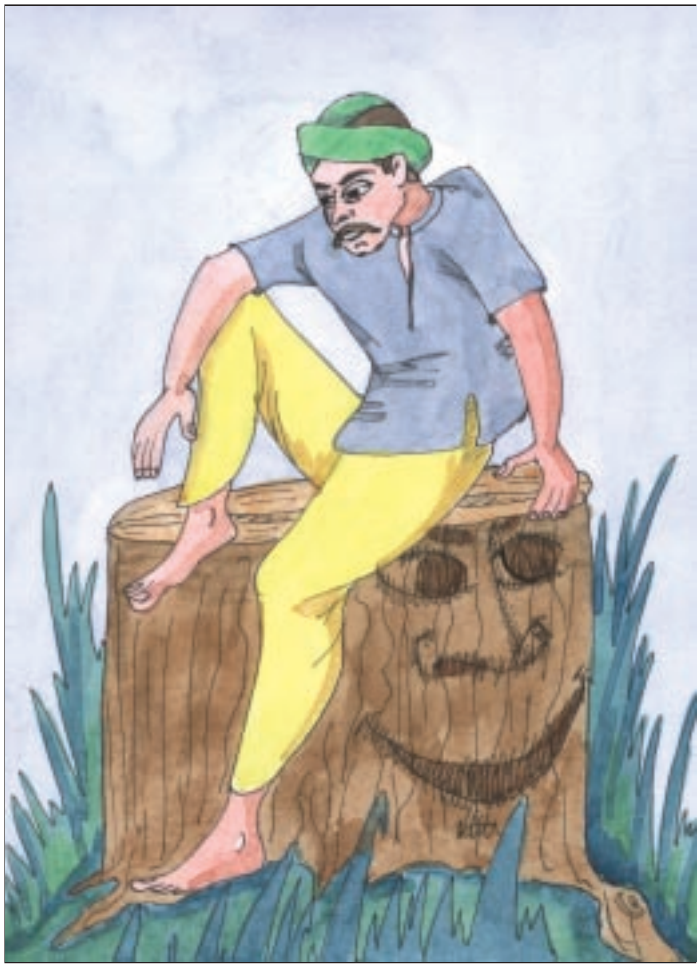

पेड़ का अब केवल ठूँठ बचा था।

इस तरह कई साल बीत गए। एक दिन एक बूढ़ा आदमी पेड़ के ठूँठ के पास आया। पेड़ ने उसे फौरन पहचान लिया। यह वही छोटा लड़का था। पेड़ उसे देखकर बहुत खुश हुआ। उससे खुशी के मारे बोलते नहीं बना। पेड़ ने कहा– ''बेटा, मैं तुम्हें कुछ देना चाहता था। परन्तु अब मेरे पास बचा ही क्या है ? मेरे फल नहीं बचे जिन्हें तुम खा सको। मेरी शाखाएँ नहीं रहीं जिनसे कि तुम लटक सको। मेरा तना

भी नहीं बचा जिस पर तुम चढ़ सको। बताओ, मैं तुम्हें क्या दूँ ?''

बूढ़े ने कहा –''तुम देख रहे हो मेरी हालत। मेरे सब दाँत गिर चुके हैं। मैं अब फल नहीं चबा सकता। अब मेरी उम्र शाखों पर झूलने की नहीं रही। तने पर चढ़ने का दम अब मुझ में नहीं रहा। मैं बहुत थक चुका हूँ। मुझे बस आराम से बैठने और सुस्ताने के लिए एक जगह चाहिए।''

''तो फिर आओ और मेरे ठूँठ पर शान्ति से बैठो।'' पेड़ ने कहा।

बूढ़ा ठूँठ पर बैठकर सुस्ताने लगा। पेड़ अब भी बहुत खुश था।

शब्दार्थ–

लुका–छुपी–बच्चों का छुपने और खोजने का खेल। अधेड़ –युवावस्था और वृद्धावस्था के बीच की आयु का व्यक्ति। ठूँठ–काटे गए पेड़ का बचा हुआ निकला हिस्सा या तना। रोज–प्रतिदिन, नित्य। शाखा–डाली, टहनी। छाँव–छाया। युवक–युवा व्यक्ति, जवान आदमी। उम्र–आयु, अवस्था। फौरन–तत्काल, तुरन्त। दम–ताकत, बल। सुस्ताना–थकान दूर कराना।

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पेड़ क्यों दुःखी था ?

(ख) पेड़ ने बूढ़े आदमी से क्या कहा ?

(ग) पेड़ किस कारण खुश था ?

(घ) तुम्हारे घर के आस–पास कौन–कौन से पेड़ हैं ?

शिक्षण संकेत – ● बच्चों को पेड़ों की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताएँ। ● पेड़ काटने से क्या नुकसान है, इस पर चर्चा करें। ● बच्चों से पौधे लगवाएँ ● बच्चों से कहें कि अन्य लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करें व सहयोग दें। ● बच्चों को बताएँ कि यह कहानी ' द गिविंग ट्री–शेल सिल्वरस्टाइन' का अनुवाद है।

2. सही या गलत लिखिए –

(क) पेड़ लड़के को बहुत प्यार करता था।

(ख) पेड़ अकेले में खुश होता।

(ग) पेड़ ने लड़के को कुछ भी देने से मना कर दिया।

3. दिए गए शब्दों में से सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरिए–

(तोड़कर, ठूँठ, लुका–छुपी, सुस्ताने)

(क) लड़का पेड़ के साथ ——————खेलता।

(ख) लड़का सब फल —————— ले गया।

(ग) पेड़ अब केवल —————— बचा था।

(घ) बूढ़ा ठूँठ पर बैठकर —————— लगा।

4. नीचे लिखे प्रश्नों के चार सम्भावित उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) पेड़ ने घर बनाने के लिए युवक को क्या दिया ?

(क) फूल (ख) फल

(ग) शाखें (घ) तना

(ख) लड़के ने तना काटकर बना ली –

(क) खटिया (ख) हॉकी

(ग) कुर्सी (घ) नाव

(ग) 'दानी पेड़' कहानी से हमें शिक्षा मिलती है–

(क) परोपकार (ख) ईमानदारी

(ग) भाई–चारा (घ) आदरभाव

(घ) लड़का रोज पेड़ के पास क्यों आता था–

(क) पत्तियाँ और फल तोड़ने

(ख) शाखाओं पर झूलने और लुका–छुपी खेलने।

(ग) पेड़ को चिढ़ाने और परेशान करने।

(घ) पेड़ को काटने।

(ङ) बूढ़ा सुस्ताने के लिए बैठा–

(क) पेड़ के नीचे (ख) पेड़ की शाखा पर

(ग) पेड़ के पत्तों पर (घ) पेड़ के ठूँठ पर

भाषा अध्ययन

1. नीचे लिखे वाक्यों के शब्दों को सही क्रम में रखिए –

(क) रोज पास पेड़ के लड़का आता।

_____

(ख) जवान गया हो अब लड़का।

_____

(ग) भी अभी था खुश पेड़।

_____

(घ) पर सुस्ताने लगा ठूँठ बैठ कर बूढ़ा।

_____

2. पढ़िए और समझिए –

नीचे लिखे शब्दों में 'ज' वर्ण के नीचे बिन्दु ज़ लगा है, इस बिन्दु को नुक्ता कहते हैं–

रोज़, चीज़ें, बाज़ार, कागज़, आवाज़

3. निम्नलिखित वाक्यों के आगे सही विराम चिह्न लगाइए –

- कितने सुन्दर फूलों की माला हैं
- अरविंद को पेड़ों से बहुत प्यार है
- क्या तुम मुझे कुछ फूल दे सकते हो
- इस बाग में बेला चमेली गुलाब और गेंदे के फूल हैं
- देखो यहाँ कितने सुन्दर सुन्दर पेड़ हैं

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए –

जैसे–

दिन	रात
शान्ति	
दुःखी	
छोटे	
आना	
खरीदना	

योग्यता विस्तार :–

- पेड़ के महत्व पर अपने विचार पाँच पंक्तियों में लिखें।
- सोचिए ! यदि पेड़ न होते तो क्या होता ?
- ऐसे पेड़ों के नाम लिखिए, जो दवाई के काम आते हैं।
- पेड़ से सम्बन्धित कोई अन्य कविता, याद कर बाल सभा में सुनाइए।
- फलदार पेड़ों के नाम की सूची बनाइए।
- पेड़ का चित्र बनाकर उसमें रंग भरिए।
- लकड़ी से क्या–क्या वस्तुएँ बनाई जाती हैं, उनके नाम लिखिए।
- अपनी पाठ्य–पुस्तक की कहानियों को स्थानीय बोली में सुनाइए।
- अनुवाद किसे कहते हैं पता कीजिए। स्थानीय भाषा की कहानियों का हिन्दी मानक भाषा में अनुवाद कीजिए।